नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 16.11.2018

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में ऊदादेवी शहीदी दिवस एवं राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए रक्षाध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रमाकान्त दूबे ने कहा कि ऊदादेवी पासी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थीं। भारतीय स्वतंत्रता दिवस के प्रथम संग्राम के शहीदों में उनका प्रमुख स्थान है। उन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारतीय सिपाहियों की ओर से युद्ध में भाग लिया था। उन्होंने पुरुष सैनिक का वस्त्र धारण कर दो हजार भारतीय सैनिको के साथ लखनऊ के सिकन्दर बाग नामक स्थान पर ब्रिटिश फौज का वीरता के साथ सामना किया। उन्होंने अकेले ही 36 अंग्रेज सैनिकों को मौत के घाट उतारकर वीरगति को प्राप्त हुयी। डॉ. रमाकान्त दूबे ने कहा कि सार्जेण्ट फॉर्ब्स मिशेल ने सिकन्दर बाग के उद्यान में स्थित पीपल के बड़े पेड़ की उपरी शाखा पर बैठी एक ऐसी स्त्री का उल्लेख किया है, जिन्होने अंग्रेजी सेना के अनेक सिपाहियों और अफसरों को मौत के घाट उतार दिया? लंदन टाइम्स में इस समय छपी खबरों के आधार पर ही कार्ल मार्क्स ने अपनी टिप्पणी में इस घटना को समुचित स्थान दिया। इस स्तब्ध कर देने वाली वीरता से अभीभूत होकर काल्विन कैम्बेल ने हैट उतारकर शहीद उदादेवी को श्रद्धांजलि दी थी। डॉ. रमाकान्त दूब ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर बोलते हुए कहा कि यह दिन भारत में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयं को फिर से समर्पिता करने का अवसर प्रदान करता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने की इस अवसर पर डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, सुश्री प्रियंका नायक, सुश्री अंजली सिंह, श्रीमती कविता मध्यान, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, श्री वागीशराज पाण्डेय, श्री नन्दन शर्मा सहित शिक्षक विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी